फर्द अहकाम

अर्जुनलाल बनाम जगदीश वगै०

नाम न्यायालय

केस संख्या 113/2016

क्रम संख्या	दिनांक आज्ञा या कार्यवाही	आज्ञा विस्तृत रुप से	विशेष विवरण
		अवलोकन किया गया अवलोकन से स्पष्ट है कि इस पूर्ववर्ती वाद में मात्र एक खाता संख्या 23 में अवस्थित भूमि के सम्बन्ध में तकास्मा हेतु अनुतोष चाहा गया है जबकि पश्चात्वर्ती वाद 17/2017 उनवानी जगदीश v/s कानाराम में वादी व प्रतिवादीगण के समक्ष खातों (23, 25, 52) में अवस्थित भूमियों के सम्बन्धित अनुतोष चाहा गया है। अतः 151 CPC के अन्तर्निहित शक्तियों का प्रयोग करते हुये इस पूर्ववर्ती वाद को पश्चात्वर्ती वाद 17/2016 उनवानी जगदीश बनाम कानाराम वगै० के साथ शामिल किये जाने के आदेश दिये जाते हैं। अतः इस वाद पत्र को पश्चात्वर्ती वाद 17/2017 उनवानी जगदीश v/s कानाराम वगै० के साथ शामिल किया जाता है। (हस्ताक्षर)	
	09/10/20	आज यह पत्रावली प्रकरण संख्या 17/2017 उनवानी जगदीश बनाम कानाराम वगैरह में प्रार्थना पत्र डिग्री का पेश किये जाने में पेश हुई। हस्तगत पत्रावली उक्त पत्रावली के शामिल की हुई है हस्तगत पत्रावली में अधिवक्ता ने नोट प्रेस किया व पत्रावली में आगे कोई कार्यवाही नहीं चाहते हैं। अतः पत्रावली नोट प्रेस के आधार पर खारिज की जाती है। पत्रावली [illegible] होकर दर्ज नम्बर [illegible] हो एवं दाखिल [illegible]	Note Press Pgw 8/10/20 अर्जुन

Signature Not Verified

Digitally signed by Seema Sharma
Date: 2021.02.09 12:02:36 IST
Reason: SelfAttested

Scanned with CamScanner